DEPARTMENT OF HINDI

BURDWAN UNIVERSITY

Syllabus Of M. Phil. Hindi

2007-2008

हिंदी विभाग

वर्धमान विष्वविद्यालय

एम0 फिल्0 हिंदी का पाठ्यक्रम

2007–2008

<u>अंक विभाजन</u>

सत्र (सेमेस्टर) – I — अंक

प्रथम पत्र. . . . .

(क) षोध – प्रविधि — 50

(ख) साहित्य और विचारधारा — <u>50</u>

कुल अंक 100

द्वितीय पत्र. . . . .

(क) साहित्य का समाजषास्त्र — 50

(ख) तुलनात्मक साहित्य — <u>50</u>

कुल अंक 100

सत्र (सेमेस्टर) – II

अंक

तृतीय पत्र – आन्तरिक मूल्यांकन

(क) समीक्षा–पत्र (टर्म पेपर) (25+25) — 50

(ख) सेमिनार पत्र (25+25) — <u>50</u>

कुल अंक 100

सत्र (सेमेस्टर) – III — अंक

चतुर्थ पत्र – लघु षोध– प्रबंध

(क) प्रबंध का मूल्यांकन — 150

(ख) मौखिकी — <u>+50</u>

कुल अंक 200

कुल योग – 500

प्रथम पत्र – कुल अंक – 100

(क) षोध – प्रविधि– 50

(1) अनुसंधान विधि और षोध – प्रविधि : षोध की वैज्ञानिक दृश्टि, तथ्यानुसंधान और तथ्य परीक्षण। दृश्टि और सर्जनात्मकता, प्रासंगिक तथ्यों की व्याख्या, प्रमाण–मीमांसा, साक्ष्य का उपयोग। उद्धरण और संदर्भ– ग्रंथ–सूची। विशय का वर्गीकरण और रूपरेखा की रचना – भाशा– षैली।

(2) षोध– योजना : विशय निर्वाचन, षोध– कार्य का विभाजन – अध्याय, उपषीर्शक और सारसंक्षेप।

अनुमोदित ग्रंथ :–

विनय मोहन षर्मा – षोध–प्रविधि, दिल्ली –1975
मैनेजर पाण्डेय – साहित्य और इतिहास– दृश्टि, दिल्ली – 1981
नलिनविलोचन षर्मा – साहित्य और इतिहास–दर्षन, पटना – 1960
नामवर सिंह – इतिहास और आलोचना, दिल्ली – 1978
सावित्री सिन्हा – अनुसंधान का स्वरुप।
दुर्गादास काषीनाथ संत – षोधविज्ञान – कोष।
सावित्री सिन्हा और विजयेन्द्र :
स्नातक (संपादित) – अनुसंधान की प्रक्रिया।
ॅमससमाए त्मदम – क्पेबतपउपदंजपवदए 1976 क्मसीप
ॅमपउंदएत्वइमतज – ेजतनबजनतम ंदक ेवबपमजल पद स्पजतंतल भ्पेजवतलए स्वदकवद .1977
ब्वीमदएत्सची ;म्कण्द्ध – छमू क्पतमबजपवदे पद स्पजमतंतल भ्पेजवतलएडंतल संदकए1974ण
ज्ञवजीतपए ब्ण्त्ण – त्मेमंतबी डमजीवकवसवहलण
ठंतइतपकहमए ॅण्ण्ठण – जीम ।तज वि ेबपमदजपपिब त्मेमंतबीण
ठंहहसमलए ॅण।ण – थ्ंबजे रूभ्वू ज्व थ्पदक जीमउ ;।ळनपकम जव त्मेमंतबीद्ध
भ्मससूंलए ज्ण – प्दजतवकनबजपवद जव त्मेमंतबीण

(ख) साहित्य और विचारधारा –50

विचारधारा क्या है ? विचारधारा का सामाजिक आधार– विचारधारा और राजनीति, विचारधारा के रूपों में साहित्य का स्थान, साहित्य की अवधारणा पर विचारधारा का प्रभाव, साहित्य की सर्जन– प्रक्रिया में लेखक और पाठक की विचारधाराओं का द्वंद्व, साहित्यिक कृतियों की व्याख्या और विचारधाराओं की समस्या, विचारधारा और साहित्य रूप, विचारधारा और साहित्य संस्थान।

कुछ विचारधाराएँ –

(1) आधुनिकतावाद।
(2) नवजागरण और भारतीय नवजागरण।
(3) राश्ट्रीयवाद।
(4) उत्तर–आधुनिकतावाद।
(5) दलित– विमर्ष।
(6) स्त्रीवाद।

अनुमोदित पुस्तकें :

गोरख पाण्डेय (अनु0) : कला और साहित्य चिन्तन, नई दिल्ली, 1991

रामविलास षर्मा : आस्था और सौंदर्य, नई दिल्ली, 1990

रामविलास षर्मा : मार्क्स और पिछड़े हुए समाज, नई दिल्ली, 1986

मैनेजर पाण्डेय : क्या यथार्थवाद की विजय का अर्थ विचारधारा की पराजय है ? प्रस्ताव, मार्च 1984

कमला प्रसाद : साहित्य और विचारधारा, इलाहाबाद 1984

सुधेष : साहित्य के विविध आयाम, नई दिल्ली, 1983

हजारी प्रसाद द्विवेदी : मध्यकालीन बोध का स्वरूप

रामविलास षर्मा : भारतेंदु और हिंदी नवजागरण की समस्या

रामविलास षर्मा : हिंदी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी

उदय भानु सिंह : द्विवेदी युग और नवजागरण

षंभुनाथ : भारतेंदु युग और नवजागरण

गोपेष्वर सिंह (सं0) : भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार

प्रेमषंकर : भक्ति काव्य की **भूमिका**

बच्चन सिंह : रीतिकाल का नया मूल्यांकन

एस0 एन0 राय : मानवतावाद

सुषोभन सरकार : हिंदी रेनेसाँ

षिवकुमार मिश्र : यथार्थवाद

जॉन स्टुआर्ट मिल : स्त्री– पराधीनता

क्षमा षर्मा : स्त्रीवादी विमर्ष : समाज और साहित्य

जगदीष्वर चतुर्वेदी : स्त्रीवादी साहित्य – विमर्ष

प्रभा खेतान : उपनिवेषवाद में स्त्री

षरण कुमार सिम्बाले : दलित साहित्य का सौंदर्य– षास्त्र

तेज सिंह : आज का दलित साहित्य

गोपीचंद नारंग : संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यषास्त्र

च्तमीाए ठीपीन रू डंतगे जीमवतल व प्किमवसवहलए क्मसीप .1989

।सजीनेमतए स्वनपे रू स्मदपद ंदक चीपसवेसचील ंदक वजीमत म्ेंलेए स्वदकवद. 1971

थ्पेीमतए म्तदेज रू ।तजे ंहंपदेज प्कमवसवहलए स्वदकवद . 1969

झींतंचमीमदावण्डण रू जीम ॅतपजमते ब्तमंजपअम प्दकपअपेनंसपजल ंदक क्मअमसवच. उमदज व स्पजमतंजनतमए डवेबवू .1977

डंबीमतमलए च्पमततम रू । जीमवतल व स्पजमतंतल च्तवकनबजपवदए स्वदकवद .1978

ॅपससपंउेए त्मलउवदक रू डंतगपेउ ंदक स्पजमतंजनतमए स्वदकवद . 1977

ॅपससपंउेए त्मलउवदक रू व्द प्कमवसवहलए ब्मदजतम वित ब्वदजमउचतवतंतल ब्नसजनतंस ैजन सपमेए स्वदकवद . 1978

म्ंहसमजवदए ज्मततल रू ब्तपजपबपेउ ंदक प्कमवसवहलए स्वदकवद . 1976

म्ंहसमजवदए ज्मततल रू जीम प्कमवसवहल व ।मेजीमजपबए स्वदकवद . 1990

म्ंहसमजवदए ज्मततल रू प्कमवसवहल रू ।द प्दजतवकनबजपवदए स्वदकवद . 1991

स्पबीजीमपउए ळमवतहम रू जीम ब्वदबमचज व प्कमवसवहल ंदक व्जीमत म्ेंलेए छमूलवता . 1967

पत्रिकाएँ –

आलोचना नवांक 18 अप्रैल– जून 1970, दिल्ली।

द्वितीय पत्र –

कुल अंक – 100
अंक – 50

(क) साहित्य का समाजषास्त्र – 50

: साहित्य के समाजषास्त्र का इतिहास और प्रमुख साहित्यिक समाजषास्त्री :

(क) समाजषास्त्रीय दृश्टि से साहित्य के अध्ययन की परम्पराएँ : पाष्चात्य और भारतीय

(ख) प्रमुख साहित्यिक समाजषास्त्री : इपोलित एडोल्फ सेन, लियो लोवेंथल, लुसिएँ गोल्ड मान, रेमण्ड विलियम्स, डी0 पी0 मुखर्जी और पी0 सी0 जोषी।

(ग) लोकप्रिय साहित्य का समाजषास्त्र, उपन्यास का समाजषास्त्र और हिंदी उपन्यास, कविता का समाजषास्त्र।

अनुमोदित ग्रंथ और पत्रिकाएँ :

म्बंतचपजए त्वइमतज संनतमदेवदए क्पंदं ंदक — रू ैवबपवसवहल व िस्पजमतंजनतमए स्वदकवद . 1965

ैूपदहूववकए ।संद — रू ैवबपवसवहल व िस्पजमतंजनतमए स्वदकवद . 1972

भ्ंससए श्रवीद — रू ैवबपवसवहल व िस्पजमतंजनतमए स्वदकवद . 1979

ठनतदेए ज्वउ ंदक म्सप्रंइमजी ;म्कण्द्ध — रू ैवबपवसवहल व िस्पजमतंजनतम ंदक क्तंउंए स्वदकवद . 1973

ॅमपउमदए त्वइमतज — रू ैजनबजनतम ंदक ैवबपमजल पद स्पजमतंतल भ्पेजवतल

ळवसकउंददए स्नबपमद — रू जीम भ्पककमद ळवकए स्वदकवद . 1964

ळवसकउंददए स्नबपमद — रू ज्वूंतके ।ैवबपवसवहल व िछवअमसए स्वदकवद . 1976

ैूपदहूववकए ।संद — रू जीम छवअमस ंदक त्मअवसनजपवदए स्वदकवद . 1975

रमतंिए डपबीवस — रू थ्पबजपवदे रू जीम छवअमस ंदक ैवबपंस त्मंसपजलए स्वदकवद . 1976

स्वूमदजींसए स्मव — रू स्पजमतंजनतम ंदक जीम प्उंहम व िडंदए ठनेसवद . 1975

ॅपससपंउेए त्मलउवदक — रू जीम स्वदह त्मअवसनजपवदए स्वदकवद . 1961

ॅपससपंउेए त्मलउवदक — रू ॅतपजपदह पद ैवबपमजलए स्वदकवद दृ 1984

ॅवसर्पिए श्रंदमज रू जीम`वबपंस च्तवकनजपवद व िसपजए स्वदकवद . 1981

ॅतकए श्रण्च्ण रू च्वमजतल ंदक`वबपवसवहपबंस प्कमंए स्वदकवद . 1981

`लउवदकेए श्रण रू ठसववकरू डनतकमतए स्वदकवद . 1974

मैनेजर पाण्डेय **रू** साहित्य के समाजषास्त्र की भूमिका, चण्डीगढ़ – 1989

निर्मला जैन : साहित्य का समाजषास्त्रीय चिन्तन, दिल्ली

पूरनचन्द्र जोषी : परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम, दिल्ली – 1987

राजेन्द्र यादव : अठारह उपन्यास, दिल्ली – 1981

रैल्फ फॉक्स : उपन्यास और लोकजीवन

ब्तपजपबंस प्दुनपतल रू`चतपदह . 1988

ब्नसजनतंस ब्तपजपुनम रूॅपदजमत . 1987 . 88

च्वमजपबेए टवस . 14ए छवण . 1.2ए 1983

ज्स्ैए छवण. 45ए थ्ंसस . 1980

आलोचना नवांक 20 – 1972

आलोचना नवांक 25 – 1973

(ख) <u>तुलनात्मक साहित्य</u> – 50

तुलनात्मक साहित्य का महत्त्व और विभिन्न अवधारणाएँ। तुलनात्मक साहित्य की उपयोगिता और संभावनाएँ। विष्व–साहित्य की अवधारणा। भारतीय साहित्य की अवधारणा। भारतीय साहित्य की समस्याएँ। हिंदी के जातीय साहित्य के विकास की ऐतिहासिक प्रक्रिया और समस्याएँ। बांग्ला और हिंदी साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ और संभावनाएँ। तुलनात्मक साहित्य का भारतीय परिदृष्य : उपलब्धियाँ और संभावनाएँ।

अनुमोदित ग्रन्थ :

रामविलास षर्मा : भारतीय साहित्य की भूमिका।
राजमल बोरा : तुलनात्मक अध्ययनः स्वरूप और समस्याएँ।
राजमल बोरा : तुलनात्मक अध्ययनः भारतीय भाशाएँ और साहित्य।
इन्द्रनाथ चौधुरी : तुलनात्मक साहित्य की भूमिका।
स्पंवितकए भ्मदतल रू ब्वउचंतंजपअम स्पजमतंजनतमण्
म्जपमउइसमए त्मदम रू जीम ब्तपेपे पद ब्वउचंतंजपअम स्पजमतंजनतमण्